क़ुरआन के तीन छोटी सूरह की सरल व्याख्या

रेटिंग:

विवरण: ?? ??? ????? ?? ??? ?????????? ?? ????? ???? ???? ???? ???? ???????? (????) ?? ??? ???? ??? ?????? ??: ???? ??-?????, ???? ??-??? ?? ???? ??-??? ?? ???? ???-??-??? ???? ??????

श्रेणी: पाठ › पवत्रि क़ुरआन › चयनति छंद की व्याख्या

द्वारा: Imam Mufti

प्रकाशति हुआ: 08 Nov 2022

अंतमि बार संशोधति: 07 Nov 2022

उद्देश्य

- क़ुरआन के तीन महत्वपूर्ण और अक्सर पढ़े जाने वाले छोटे अध्यायों (सूरह) को याद करना: सूरह अल-इखलास, सूरह अल-फलक और सूरह अन-नास।
- सरल भाषा में उनका अनुवाद और छंद-दर-छंद व्याख्या सीखना।
- क़ुरआन के वद्विानों के एक समूह द्वारा लखिति अल-तफ़सीर अल-मुयस्सर पर आधारति छंदों की व्याख्या का अध्ययन करना।

अरबी शब्द

- *????* - क़ुरआन का अध्याय।
- *????* - आस्तकि और अल्लाह के बीच सीधे संबंध को दर्शाने के लिए अरबी का एक शब्द। अधकि वशिष रूप से, इस्लाम में यह औपचारकि पाँच दैनकि प्रार्थनाओं को संदर्भति करता है और पूजा का सबसे महत्वपूर्ण रूप है।
- *?????* - अल्लाह की एक रचना जसिे मानवजाति से पहले धुआं रहति आग से बनाया गया था। उन्हें कभी-कभी आत्मकि प्राणी, बंशी, पोल्टरजस्टि, प्रेत आदि बुलाया जाता है।

सूरह अल-इखलास

ये छोटी सूरह क़ुरआन के एक तिहाई गुण के बराबर है, और नमाज में पढ़ने के लिए इसे याद करना आसान है। प्रत्येक प्रार्थना के बाद और रात को सोने से पहले इसे पढ़ने की सलाह दी जाती है।

पाठ, लिप्यंतरण, अनुवाद और व्याख्या

□□□□ □□□□ □□□□□□□ □□□□□□

1. कुल् हुवल्लाहु अ-हद

(ऐ ईश्वर के दूत!) कह दोः अल्लाह एक है।

कह दो ऐ पैगंबर, वह अल्लाह एकमात्र ईश्वर है, केवल वही पूजा के योग्य है, और वही एकमात्र है जिसके पास सुंदरता और पूर्णता के नाम और गुण हैं। इन सब में कोई भी उसके साथ साझी नही है।

□□□□□□□ □□□□□□□□□

2. अल्लाहुस्स-मद्

अल्लाह निरपेक्ष (और सर्वाधार) है

जरूरत के समय सिर्फ अल्लाह से ही मांगा जाता है। दिलों की बात जानने वाला सिर्फ अल्लाह ही है। उसी पर सारी सृष्टि निर्भर है। हालांकि यह निर्भरता दो तरफा नहीं है; वह अपने प्राणियों पर निर्भर नहीं है।

□□□□ □□□□□□ □□□□□□ □□□□□□□

3. लम् यलिद् व लम् यूलद्

न उसकी कोई संतान है और न वह किसी की संतान है।

अल्लाह का कोई बेटा या बेटी, पति या माता या साथी नहीं है।

□□□□□□ □□□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□□□

4. व लम् यकुल्लहू कुफ़ुवन् अ-हद

और न उसके बराबर कोई है।”

सृष्टि में कुछ भी उसके नाम, गुण या कार्यों में अल्लाह के समान नहीं है।

सूरह अल-फ़लक़

सूरह अल-फलक क़ुरआन के अंतिम अध्याय से पहले है। यह सूरह और सूरह अन-नास दोनों ही बुराई के खिलाफ मनुष्य की सबसे अच्छी सुरक्षा हैं। इन्हें नमाज में बार-बार पढ़ना भी अच्छा है। प्रत्येक अनिवार्य प्रार्थना के बाद और रात को सोने से पहले इन्हें पढ़ने की सलाह दी जाती है।

पाठ, लिप्यंतरण, अनुवाद और व्याख्या

□□□□ □□□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□□□□

1. कुल अऊजु बिरब्बिल फलक

(ऐ पैगंबर!) कहो कि मैं भोर के पालनहार की शरण लेता हूँ।

कहो - ऐ पैगंबर - मैं भोर के ईश्वर की शरण लेता हूं।

□□□ □□□□□ □□□ □□□□□□

2. मिन शरिर मा ख़लक़

हर उसकी बुराई से, जिसे उसने पैदा किया।

हर सृजित प्राणी की बुराई और उसके नुकसान से।

□□□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□□□

3. वमनि शररि ग़ासकिनि इज़ा वकब

तथा रात्रि की बुराई से, जब उसका अंधेरा छा जाये।

और घोर अन्धकार की बुराई से जब वह छा जाती है और रात के प्राणियों से।.

□□□□□ □□□□□ □□□□□□□□□□□□□ □□□ □□□□□□□□□

4. वमनि शररनि नफ़ फ़ासाति फ़िलि उक़द

तथा गाँठ लगाकर उनमें फूँकने वालयिों की बुराई से।

जादू टोना करने के लिए गांठों पर फूंकने वाली जादूगरनी की बुराई से।

□□□□□ □□□□□ □□□□□□□ □□□□□ □□□□□□

5. वमनि शररि हासदिनि इज़ा हसद

तथा द्वेष करने वाले की बुराई से, जब वह द्वेष करे।"

और ईर्ष्यालु लोगों की बुराई से जब वह अल्लाह के उपहारों के लिए लोगों से ईर्ष्या करता है, चाहता है कि उपहार छीन लिया जाए, और लोगों को चोट पहुंचाने की इच्छा रखता है।

सूरह अल-नास

सूरह अल-फलक का परिचय पढ़ें।

पाठ, लिप्यंतरण, अनुवाद और व्याख्या

□□□□ □□□□□□□ □□□□□□□ □□□□□□□□

1. कुल अऊजु बरिब्बनि नास

(ऐ पैगंबर!) कहो कि मैं इन्सानों के पालनहार की शरण में आता हूँ।

कहो - ऐ पैगंबर - मैं अन्य लोगों से मानवजाति के ईश्वर की शरण लेता हूं, जो अकेले ही उनके बुरे सुझावों को दूर करने में सक्षम हैं।

□□□□□□ □□□□□□□□

2. मलिकिनि नास

जो सारे इन्सानों का स्वामी है।

मानवजाति का राजा जिसे मनुष्य की आवश्यकता नहीं है, लेकिन मनुष्य को उसकी आवश्यकता है - उसके पास सभी मानवीय मामलों का नियंत्रण है।

□□□□□□ □□□□□□□□

3. इलाहनि नास

जो सारे इन्सानों का पूज्य है,

मानवजाति का ईश्वर, जिसके अलावा कोई देवता नहीं है, कोई ईश्वर नहीं है, और कोई वस्तु पूजा के योग्य नहीं है।

□□□ □□□□□ □□□□□□□□□□□□ □□□□□□□□□□□

4. मनि शर रलि वसवा सलि खन्नास

भ्रम डालने वाले और छुप जाने वाले (शैतान) की बुराई से।

डरपोक शैतान की बुराई से जो बेवजह फुसफुसाता है और जब अल्लाह को याद किया जाता है तो छिप जाता है।

□□□□□□□ □□□□□□□□□□ □□□ □□□□□□□ □□□□□□□□

5. अल्लज़ी युवस्विसु फी सुदूरिन नास

जो लोगों के दिलो में भ्रम डालता रहता है।

जो बुराई फैलाते हैं और लोगों के दिलों में संदेह बोते हैं।

□□□□ □□□□□□□□□□ □□ □□□□□□□□

6. मिनल जिन्नति विन नास

जो जिन्नों में से है और मनुष्यों में से भी।"

इंसानों में शैतानों से और जिन्नों के बीच बुरी आत्माओं से।

इस लेख का वेब पता

https://www.newmuslims.com/index.php/hi/articles/84

कॉपीराइट © 2011 - 2024 NewMuslims.com. सर्वाधिकार सुरक्षित।